Roll No. .....

Total No. of Questions : **5**] [Total No. of Printed Pages : **4**

(2111)

UGC (CBCS) Vth Semester (New) Examination

1632

SANSKRIT

(Sanskrit, Chhand Avam Gayan)

(GE)

SKT-GE-503

Time : 3 Hours] **[Maximum Marks : Regular = 70, ICDEOL = 100**

नोट :- सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। कोष्ठक में दिए गए अंक ICDEOL के परीक्षार्थियों के लिए हैं।

भाग–क

1. (क) निम्नलिखित प्रश्नानां अतीव संक्षेपेण **एक**पदेन वा उत्तराणि लिखत–

(i) 'वेदाङ्गानि' कति मन्यन्ते ?

(ii) 'वृत्तरत्नाकर' केन लिखित: ?

(iii) वेदे प्राय: कति छन्दांसि वर्णितानि सन्ति ?

(iv) 'सुवृत्ततिलकम' कस्य रचना अस्ति ?

(v) छन्दशास्त्रे 'सूर्य' 'अश्व' शब्दः कस्याः संख्यायाः वाचकः भवति ?

(vi) छन्दांसि मुख्यतः कति विधा सन्ति ?

(vii) गायत्री मन्त्रं लिखत' ?

(viii) छन्द शास्त्रे एकस्मिन् गणे कति अक्षराणि भवन्ति ?

(ix) 'छन्दो मंजरी' कस्य रचना अस्ति ?

(x) संस्कृत पद्ये कति चरणानि भवन्ति ? 1×10=10 (1×10=10)

(ख) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

(i) वेदाङ्गों को वेदरूपी पुरुष का कौन-कौनसा अंग माना जाता है ?

(ii) छन्दशास्त्र के अनुसार वर्ण का लक्षण एवं भेद उदाहरण सहित लिखिए।

(iii) छन्दों के चरणों की विभिन्नता के अनुसार विभिन्न भेदों का वर्णन कीजिए।

(iv) 'विद्युन्माला छन्द' का सोदाहरण लक्षण दीजिए।

(v) 'पंक्ति छन्द' का लक्षण एवं उदाहरण लिखिए।

4×5=20 (6×5=30)

भाग–ख

2. निम्नलिखित में से किसी **एक** भाग के प्रश्नों को हल कीजिए :

(क) 'अनुष्टुप' छन्द का सोदाहरण लक्षण लिखिए।

(ख) 'रसैरुद्रैश्चिच्छन्ना यमन सभलाग:' छन्द लक्षण के लिए उचित उदाहरण देकर लघु-गुरु अंकित कर संगति स्पष्ट कीजिए।

अथवा

(क) 'जरौ जरौ जगौ' इस छन्द लक्षण के लिए उपयुक्त उदाहरण देकर लघु-गुरु अंकित कर संगति स्पष्ट कीजिए।

(ख) 'बृहती' छन्द का लक्षण लिखकर उदाहरण दीजिए। $5\times2=10$
$(7\frac{1}{2}\times2=15)$

भाग–ग

3. निम्नलिखित में से किसी **एक** प्रश्न का उत्तर दीजिए :

छन्दशास्त्र के प्रमुख आचार्यों का परिचय दीजिए।

अथवा

अधोलिखित पद्यांशों में लघु-गुरु को दर्शाते हुए छन्द का नाम लिखिए :

(क) यदा यदा हि धर्मस्य ग्लानिर्भवति भारत।

(ख) मनसि वचसि काये पुण्य पीयूष पूर्णा। $10\times1=10$
$(15\times1=15)$

भाग–घ

4. किसी **एक** भाग में लिखे प्रश्नों को हल कीजिए :

(क) 'मन्दाक्रान्ता' छन्द का लक्षण एवं उदाहरण लिखकर लघु-गुरु के निर्देशपूर्वक संगति लिखिए।

(ख) 'गायत्री' छन्द का लक्षण लिखकर उदाहरण लिखिए।

अथवा

(क) 'वसन्ततिलका' छन्द का लक्षण एवं उदाहरण लिखकर लघु-गुरु के निर्देशपूर्वक संगति लिखिए।

(ख) 'जगती' छन्द का लक्षण एवं उदाहरण लिखिए। $5\times2=10$ $(7\frac{1}{2}\times2=15)$

भाग–ङ

5. निम्नलिखित में से किसी **एक** प्रश्न का उत्तर दीजिए :

(क) 'भुजंग प्रयात' और 'आर्या' छन्दों की विशेषताएँ लिखते हुए उदाहरण भी दीजिए।

अथवा

निम्नलिखित श्लोकों की व्याख्या कीजिए–

(क) श्लोके षष्ठं गुरुज्ञेयं, सर्वत्रलघु पंचमम्।
द्विचतुः पादयोर्ह्रस्वं, सप्तमं दीर्घमन्ययोः॥

(ख) सानुस्वारो विसर्गान्तोदीर्घो युक्तपरश्चयः।
वा पदान्ते त्वसौ ग्वक्रोज्ञेयोऽन्योमात्रिको लृजुः॥ 10(15)

(iv) उत्सवे, व्यसने, दुर्भिक्षे, शत्रुसंकटे, राजद्वारे एवञ्च श्मशाने कः तिष्ठति ?

(v) ग्रामीणाः प्रथमपण्डितस्य कृते भोजने किं दत्तवन्त ?

(vi) वानरानुसारं तस्यं हृदयं कुत्र आसीत् ?

(vii) कण्टकेन किं निष्कास्यते ?

(viii) भासस्य कति नाटकानि उपलब्ध्यन्ते ?

(ix) अभिज्ञानशकुन्तलं कस्य रचना अस्ति ?

(x) अहंकार रूपी ज्वरः कथं दूरी भवति ? 1×10=10

(ब) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में दीजिए :

(i) पञ्चतन्त्र का सामान्य परिचय लिखिए।

(ii) गङ्गदन्त प्रियदर्शनयों कथा का सारांश लिखिए।

(iii) भर्तृहरि ने अल्पज्ञ व्यक्ति की प्रकृति को किस रूप में वर्णित किया है ?

(iv) क्षपणक कथा से हमें क्या शिक्षा मिलती है ?

(v) महाकवि कालिदास का संक्षिप्त परिचय दीजिए।

4×5=20

खण्ड-घ

4. किसी **एक** प्रश्न का विस्तार से उत्तर दीजिए–

(क) बाणभट्ट का जीवन-परिचय एवं रचनाओं का संक्षिप्त परिचय दीजिए।

(ख) महाकवि कालिदास का नाटक अभिज्ञानशकुन्तलम का सामान्य परिचय दीजिए। 1×10=10

खण्ड-ङ

5. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

(क) अथर्ववेद का सामान्य परिचय दीजिए।

(ख) अथर्ववेद के अनुसार ब्रह्मचारी का स्वरूप। 2×5=10

Roll No. .....

Total No. of Questions : 5] [Total No. of Printed Pages : 4

(2042)

UG (CBCS) IInd Year Annual Examination

2192

B.A. SANSKRIT

(Sanskrit Vyakaran)

(DSC-1D)

Paper : SKT-DSC-202

Time : 3 Hours] **[Maximum Marks : 70**

खण्ड-क

1. (अ) निम्नांकितानां प्रश्नानामुत्तरमेक पदेन लिखत– 1×10=10

(i) माहेश्वर सूत्राणि कति सन्ति ?

(ii) लघु सिद्धान्त कौमुदी कस्य कृति रस्ति ?

(iii) मुख्यत: सन्धि: कति विधा भवति ?

(iv) संस्कृतभाषायां कति कारकाणि सन्ति ?

(v) कर्तृ वाच्ये कर्तरि का विभक्ति: प्रयुज्यते ?

(vi) कर्तृ वाच्ये क्रिया कमनुसरति ?

(vii) संस्कृतभाषायां कति लिंगानि ?

(viii) कुरु शब्दस्य लिंग परिवर्तनं कुरुत।

(ix) अल् प्रत्याहारेण के वर्णाः सम्बोध्यन्ते ?

(x) उष्माणः के भवन्ति ?

(ब) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में दीजिए– 4×5=20

(i) ह्रस्व, दीर्घ एवं प्लुत संज्ञा की परिभाषा लिखिए।

(ii) अनुनासिक संज्ञा स्पष्ट कीजिए।

(iii) प्रत्याहार सूत्र लिखिए।

(iv) लघुसिद्धान्त कौमुदी का सामान्य परिचय दीजिए।

(v) झर् तथा झल् प्रत्याहारों की संरचना कीजिए।

खण्ड-ख

2. निम्नांकित पदों में सन्धि-विच्छेद कीजिए– 1×10=10

यद्यपि, इत्यादि, प्रत्येकम्, नायकः, देवर्षिः, शयनम्, विनायकः, पवित्रः, भावुकः, नवोढा।

खण्ड-ग

3. निम्नांकित पदों में संधि कीजिए– 1×10=10

श्री + ईशः

हिम + आलयः

पेष् + ता

तत् + टीका

वाक् + ईशः

अच् + अन्तः

जगत् + ईशः

अप् + धिः

दिक् + अम्बरः

व्यासः + ब्रूते

खण्ड-घ

4. निम्नांकित वाक्यों में रेखांकित पदों को नियमानुरूप शुद्ध कीजिए— 1×10=10

(i) कृष्णं नमः।

(ii) देवस्य स्वस्ति।

(iii) प्राणाय कृते।

(iv) हिमालयेन गंगा प्रभवति।

(v) इन्द्रं वषट्।

(vi) अग्निं स्वाहा।

(vii) विप्रं गां ददाति।

(viii) आरात् वनस्य।

(ix) बलेः याचते वसुधाम्।

(x) कटम् आस्ते।

खण्ड-ङ

5. निम्नांकित शब्दों से निर्दिष्ट स्त्री प्रत्यय लगाइये— 1×10=10

(i) कोकिल + टाप्

(ii) अज + टाप्

(iii) बाल + टाप्

(iv) कर्तृ + ङीप्

(v) प्राचार्य + टाप्

(vi) राजन् + ङीप्

(vii) देवट् + ङीप्

(viii) गोप + ङीप्

(ix) श्वसुर + ऊङ

(x) दातृ + ङीप्

Roll No. .....

Total No. of Questions : 5] [Total No. of Printed Pages : 4

(2093)

UG (CBCS) IIIrd Year (Suppl.) Examination

2386

B.A. SANSKRIT

(Vyaktitva Vikas Ka Bhartiya Drishtikon)

(DSE-1A)

Paper : SKT-DSE-301

Time : 3 Hours] **[Maximum Marks : 70**

नोट :– सर्वे प्रश्नाः समाधेयाः।

1. (क) निम्नलिखितानां प्रश्नानाम् एकपदेन अतिसंक्षेपेण वा उत्तरं लिखत–

(i) ये चैव सात्त्विका भावा ..... रिक्तस्थानं प्रपूरयेत्।

(ii) श्रीमद्भगवद्गीतायां कति अध्यायाः सन्ति ?

(iii) अहं ब्रह्मास्मि इयं सूक्तिः कुत्र प्राप्यते ?

(iv) ऋग्वेदे पवमानसंज्ञक मण्डलं किम् ?

(v) ऋग्वेदे कति मण्डलानि सन्ति ?

(vi) क्षेत्रज्ञः कं वेत्ति ?

(vii) सात्त्विकाः जनाः कान् यजन्ते ?

(viii) ज्ञानेन्द्रियाणि कति सन्ति ?

(ix) छान्दोग्योपनिषद् केन वेदेन सम्बद्धम् ?

(x) श्रीमद्भगवद्गीतायाः तृतीय अध्यायस्य किं नाम ?

1×10=10

(ख) अधोलिखित प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में दीजिए–

(i) तीन गुणों के स्वरूप पर प्रकाश डालिए।

(ii) छान्दोग्योपनिषद् का परिचय दीजिए।

(iii) परा एवं अपरा प्रकृति का परिचय दीजिए।

(iv) श्रीमद्भगवद्गीता के अनुसार क्षर व अक्षर का वर्णन कीजिए।

(v) श्रीमद्भगवद्गीता के अनुसार किस प्रकार से व्यवहार में सुधार किया जा सकता है ? स्पष्ट कीजिए।

4×5=20

2. किसी **एक** भाग की व्याख्या कीजिए :

(i) ज्ञानं तेऽहं सविज्ञानमिदं वक्ष्याम्यशेषतः।

यज्ज्ञात्वा नेह भूयोऽन्यज् ज्ञातत्यमवशिस्यते॥

(ii) कार्यकारण कर्तृत्वे हेतुः प्रकृतिरुच्यते।

पुरुषः सुखदुःखानां भोक्तृत्वे हेतुरुच्यते॥

अथवा

(i) रजसि प्रलयं गत्वा कर्मसङ्गिषु जायते।

तथा प्रलीनस्तमसि मूढयोनिषु जायते॥

(ii) इन्द्रियाणि पराण्याहुरिन्द्रियेभ्यः परंमनः।

मनसस्तु परा बुद्धिबुद्धेर्यः परतस्तु सः॥ 5×2=10

3. किन्हीं **दो** सूक्तियों की सप्रसंग व भावार्थ सहित व्याख्या कीजिए :

(i) आर्तो जिज्ञासुरर्थार्थी ज्ञानी च भरर्तषभ।

(ii) निराशीर्निममो भूत्वा युध्यस्व विगतज्वरः।

(iii) तं चेद् ब्रूयुरस्मिश्चेदिदं ब्रह्मपुरे ..... ।

(iv) दातत्यमिति यदानं दीयतेऽनुपकारिणे। 5×2=10

4. श्रीमद्भगवद्गीता के अनुसार स्वधर्म को परिभाषित करते हुए विस्तृत व्याख्या कीजिए।

अथवा

बृहदारण्यकोपनिषद् में वर्णित बृहद् तत्व व बृहदारण्यकोपनिषद् का सामान्य परिचय दीजिए। 10×1=10

5. व्यावसायात्मिका बुद्धिरेकेह कुरुनन्दन इस श्लोक के आधार पर वर्तमान में विद्यार्थी क्या शिक्षा स्वयं के लिये ले सकते हैं ? आलोचनात्मक व्याख्या कीजिए।

अथवा

विश्व के प्राचीनतम ग्रन्थ का उल्लेख करते हुए उसकी विशद चर्चा कीजिए। 10×1=10

Roll No. .....

Total No. of Questions : **5**] [Total No. of Printed Pages : **3**

(2093)

UG (CBCS) IIIrd Year (Suppl.) Examination

2390

B.A. SANSKRIT

(Bhartiya Rangshala)

(SEC-3)

Paper : SKT-AEEC-305

Time : 3 Hours] **[Maximum Marks : 70**

नोट :– सर्वे प्रश्नाः समाधेयाः।

1. (क) निम्नांकितानां प्रश्नानामुत्तरमेकपदेन लिखत–

(i) रूपक के कितने भेद माने गये हैं ?

(ii) संधियाँ कितनी हैं ?

(iii) नाट्यशास्त्र के अनुसार नायिका के कितने भेद हैं ?

(iv) आंगिक अभिनय के अन्तर्गत नायिका के कितने भेद हैं ?

(v) 'अभिनय' शब्द की व्युत्पत्ति किस शब्द से होती है ?

(vi) नाट्य शब्द किस धातु से बना है ?

(vii) कथानक कितने प्रकार का होता है ?

(viii) हास्य रस का स्थायीभाव क्या है ?

(ix) ब्रह्मा जी ने नाट्यमण्डप किससे बनवाया ?

(x) काव्य कितने प्रकार के होते हैं ? 1×10=10

(ख) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर यथानिर्दिष्ट दीजिए–

(i) लोक रंगमञ्च की कोई **तीन** विशेषताएँ लिखिये।

(ii) आहार्य अभिनय का वर्णन कीजिये।

(iii) पताका स्थानक का संक्षिप्त विवेचन कीजिये।

(iv) देवालय रंगमञ्च का परिचय दीजिये।

(v) नेपथ्य किसे कहते हैं ? 4×5=20

भाग–ख

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर यथानिर्दिष्ट दीजिये–

(i) नाट्यशास्त्रानुरूप **पाँच** सन्धियों का वर्णन कीजिये।

(ii) नायक के भेद एवम् स्वरूप का विवेचन कीजिये।

अथवा

(i) मुक्त रंगमञ्च (खुला) का वर्णन कीजिये।

(ii) नाटक की **पाँच** अर्थ-प्रकृतियों का वर्णन कीजिये। 5×2=10

3. भारतीय रंगशाला के इतिहास एवम् परम्परा का उल्लेख कीजिये।

अथवा

पञ्च अर्थ-प्रकृतियों का वर्णन कीजिये। 10×1=10

4. नाट्यशास्त्रानुसार रंगशाला की निर्माण पद्धति एवं प्रकारों का वर्णन कीजिये।

अथवा

संस्कृत नाट्य रचना में आवश्यक तत्व कार्यावस्थाओं का वर्णन कीजिये 10×1=10

5. भरतमुनि के नाट्य सूत्र में उल्लिखित रस सूत्र की व्याख्या कीजिये।

अथवा

नाट्य के **तीन** तत्त्व वस्तु, नेता तथा रस की समीक्षा कीजिये। 10×1=10

Roll No. .....

Total No. of Questions : 5] [Total No. of Printed Pages : 4

(2033)

UG (CBCS) Ist Year Annual Examination

3062

B.A. SANSKRIT

(Niti Sahitya)

(Core)

SKT-DSC-103

Time : 3 Hours] **[Maximum Marks : 70**

खण्ड-क

1. (अ) निम्नांकित प्रश्नानामुत्तरमेक पदेन लिखत–

(i) मणिभद्रः कीदृशानि कर्माणि कुर्वन दरिद्रः जाताः ?

(ii) बी.ए. प्रथम वर्षस्य पाठ्यक्रमे किं तन्त्रम् निर्धारितम् ?

(iii) 'जयन्ति ते जिनाः' इत्य जिनाः शब्दस्य कः अर्थः ?

(iv) वैराग्यशतक कस्य रचना अस्ति ?

(v) पिंगला का आसीत ?

(vi) क्षिप्रा नद्यास्तटे किं नाम नगरी स्थिता अस्ति ?

(vii) कस्मिन जनपदे पाटलिपुत्र नाम नगर स्थिता: ?

(viii) ब्रह्मचर्य सूक्तस्य आधार ग्रन्थ: क: ?

(ix) के मनुष्या: लोके मनुष्यरूपेण मृगा इव चरन्ति ?

(x) धर्मेण केन योजयेत ? 1×10=10

(ब) निम्नांकित प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में दीजिए :

(i) गंगदत्तमण्डूककथा का सारांश लिखिए।

(ii) महाकवि बाण भट्ट का परिचय दीजिए।

(iii) भर्तृहरि ने किन मनुष्यों को पशुतुल्य माना है ?

(iv) पञ्चतन्त्र में वर्णित पाँच तन्त्रों के नाम लिखिये।

(v) विद्या की महिमा पर प्रकाश डालिए। 4×5=20

खण्ड-ख

2. निम्नांकित पद्यों का सरलार्थ कीजिए :

(क) उत्सवे व्यसने प्राप्ते दुर्भिक्षे शत्रुसङ्कटे।

राजद्वारे श्मशाने च यस्तिष्ठति स बान्धव:॥

(ख) स्वायत्तमे कान्तगुणं विधात्रा विनिर्मितं छादनमज्ञताया:।

विशेषत: सर्वविदां समाजे, विभूषणं मौनमपण्डितानाम्॥

अथवा

(क) येषां न विद्या न तपो न दानम्
ज्ञानं न शीलं न गुणो न धर्मः।
ते मर्त्यलोके भूवि भारभूताः
मनुष्यरूपेण मृगाश्चरन्ति॥

(ख) आचार्यो ब्रह्मचारी ब्रह्मचारी प्रजापतिः।
प्रजापतिर्वि राजति विराडिन्द्रोऽभवद वशी॥ 5×2=10

खण्ड-ग

3. किन्हीं दो सूक्तियों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

(क) "छिद्रेष्वनर्था बहुली भवन्ति।"

(ख) बुभुक्षितः किं न करोति पापं।

(ग) मूर्खस्य नास्त्यौषधम्।

(घ) सत्संगति कथय किं न करोति पुंसाम्। 5×2=10

खण्ड-घ

4. निम्नांकित गद्यांशों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

(क) "इत्युक्त्वा तस्य शिरश्छेदो विहितः अथ तैश्च पश्चाद् गत्वा कश्चिद ग्राम आसादितः। तेऽपि ग्रामीणैर्निमन्त्रिताः पृथग गृहेषु नीताः। ततः एकस्य सूत्रिका घृतखण्डसंयुता भोजने दताः। ततो विचिन्त्य पण्डितेनोक्तं यत् 'दीर्घसूत्री विनश्यति।"

(ख) तत् त्वं मम देवरं गृहीत्वा अध प्रत्युपकारार्थं गृहमानय नो चेत् सह मे परलोक दर्शनम्। ''तत अहं तथ्या एवं प्रोक्तः तव सकाशमागतः। तत् अद्य तया सह त्वदर्थे कलहायतो मम इयतीवेला विलग्ना। तत् आगच्छ मे गृहम्।'' 5×2=10

खण्ड-ङ

5. निम्नांकित प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

(क) भर्तृहरि के शतकत्रय पर प्रकाश डालिए।

(ख) अथर्ववेद ब्रह्मचर्य सूक्तानुसार 'ब्रह्मचर्य' का स्वरूप निरूपण कीजिए।

अथवा

(क) महाकवि भास के व्यक्तित्व व कृतित्व की चर्चा कीजिए।

(ख) भारवि द्वारा रचित 'किरातार्जुनीयम' महाकाव्य पर विवेचना कीजिए। 5×2=10

Roll No. .....

Total No. of Questions : 5] [Total No. of Printed Pages : 4

(2033)

UG (CBCS) Ist Year Annual Examination

3063

B.A. SANSKRIT

(Upanishad Shrimadbhagwad Gita
Tatha Paninia Shiksha)

(AECC)

Paper : SKT-AECC-104

Time : 3 Hours] **[Maximum Marks : 70**

खण्ड-क

1. (अ) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक शब्द में दीजिए :

(i) 'मा गृधः कस्यस्विद्धनम्' ..... की सूक्ति है।

(अ) ईशावास्योपनिषद (ब) केनोपनिषद

(स) तैत्तिरीय उपनिषद (द) पाणिनीय शिक्षा

(ii) ईशावास्योपनिषद है–

(अ) आधुनिक (ब) दार्शनिक

(स) भौतिक (द) ऐतिहासिक

(iii) अविद्या का अर्थ 'ईशावास्योपनिषद' में क्या है ?

(अ) ज्ञान (ब) आत्मा

(स) कर्म (द) वैराग्य

(iv) श्रीमद्भगवद्गीता महाभारत के किस पर्व में आती है–

(अ) शान्ति पर्व (ब) अरण्य पर्व

(स) द्रोण पर्व (द) भीष्म पर्व

(v) श्रीमद्भगवद्गीता में कुल कितने अध्याय हैं ?

(vi) श्रीमद्भगवद्गीता में मधुसूदन शब्द का प्रयोग किसके लिए हुआ है ?

(vii) श्री कृष्ण के शंख का क्या नाम था ?

(viii) पाणिनीय शिक्षा में उच्चारण स्थान कितने हैं ?

(ix) पाणिनीय शिक्षा किस वेद से सम्बन्धित है ?

(x) पाणिनीय शिक्षा किसकी रचना है ? 1×10=10

(ब) निम्नलिखित प्रश्नों के संक्षेप में (**25** शब्दों) उत्तर दीजिए–

(i) 'न कर्म लिप्यते नरे' सूक्ति की व्याख्या कीजिए।

(ii) श्रीमद्भगवद्गीता के अनुसार 'स्थितप्रज्ञ' का वर्णन कीजिए।

(iii) 'नैनं छिन्दन्ति शस्त्राणि' सूक्ति की व्याख्या कीजिए।

(iv) पाणिनीय शिक्षा के अनुसार उच्चारण स्थानों का वर्णन कीजिए।

(v) औपनिषदिक दर्शन के आधार पर ईश्वर का वर्णन कीजिए। 4×5=20

खण्ड-ख

2. निम्नलिखित श्लोकों में से रेगुलर छात्रों को **तीन** तथा ICDEOL के छात्रों को **चार** श्लोकों का हिन्दी में सरलार्थ करना है–

(i) यस्तु सर्वाणि भूतान्यात्मन्येवानुपश्यति।
सर्वभूतेषु चात्मानं ततो न विजुगुप्सते॥

(ii) अशोच्यानन्वशोचस्त्वं प्रज्ञावादांश्च भाषसे।
गतासूनगतासूंश्च नानुशोचन्ति पण्डितः॥

(iii) य एनं वेत्ति हन्तारं यश्चैनं मन्यते हतम्।
उभौ तह्यौ न विजानीतो नायं हन्ति न हन्यते॥

(iv) जातस्य हि ध्रुवो मृत्युर्ध्रुवं जन्म मृतस्य च।
तस्मादपरिहार्येऽर्थे न त्वं शोचितुमर्हसि॥

(v) स्वरतः कालतः स्थानात् प्रयत्नाऽनुप्रदानतः।
इति वर्णविदः प्राहुर्निपुणं तन्निबोधत॥ 5×3=15

खण्ड-ग

3. अधोलिखित पद्यांशों में से रेगुलर छात्र को **एक** की तथा ICDEOL के छात्र को **दो** श्लोकों की प्रसंग सहित व्याख्या करनी है–

(i) आत्मा बुद्धया समर्थ्याऽर्भान् मनोयुङ्क्ते विवक्षया।
मन कायाऽग्निमाहन्ति स प्रेरयति मारुतम्॥

(ii) विद्यां चाविद्या च यस्तद वेदोभयं सह।
अविद्या मृत्युं तीर्त्वा विद्यया मृतमश्नुते॥

(iii) हिरण्यमयेण पात्रेण सत्यस्यापिहितं मुखम्।
तत्त्वं पूषन्नपावृणु सत्यधर्माय दृष्टये॥ 5×1=5

खण्ड-घ

4. ईशावास्योपनिषद का सार अपने शब्दों में लिखिये।

अथवा

श्रीमद्भगवद्गीता के **द्वितीय** अध्याय का वर्ण्य विषय लिखिये। 10×1=10

खण्ड-ङ

5. औपनिषदिक दर्शन के आधार पर सृष्टि **अथवा** कर्मसिद्धान्त का वर्णन कीजिए। 10×1=10

Roll No. ....

Total No. of Questions : 5] [Total No. of Printed Pages : 4

(2032)

UG (CBCS) IIIrd Year (Annual) Examination

3372

B.A. SANSKRIT

(Sahityik Samalochana)

(DSE-1B)

Paper : SKT-DSE-302

Time : 3 Hours] [Maximum Marks : { 70 for Regular / 100 for ICDEOL

नोट :– सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

भाग-क

1. (क) निम्नांकितानां प्रश्नानामुत्तराणि **एकपदेन** लिखत–

(i) आचार्यमम्मटस्य किमलङ्कारशास्त्रम् ?

(ii) मम्मटेन काव्यस्य कति प्रयोजनानि परिगणितानि ?

(iii) 'शिवेतरक्षतये' इत्यत्र शिवेतरपदे कस्य ग्रहणम् ?

(iv) .... कवित्व बीजरूप: संस्कार विशेष: ?

(रिक्तस्थानां पूरयत)

(v) 'ध्वनिरात्मा काव्यस्य' कस्य लक्षणमिदम् ?

(vi) शब्द-शक्तयः कति सन्ति ?

(vii) आचार्यमम्मटेन 'मुख्यार्थबाधे' का शब्दशक्तिः स्वीक्रियते ?

(viii) अनुमितिवादस्य प्रधानाचार्यः अस्ति।

(ix) 'अताहशि गूणीभूतव्यङ्ग्ये' किम् काव्यम् ?

(x) आचार्यमम्मटेन काव्यप्रकाशे कति रसाः अङ्गीकृताः ?

1×10=10

(ख) निम्नांकित प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में लिखिए— (1×10=10)

(i) आचार्य मम्मट द्वारा निर्दिष्ट काव्य हेतुओं का संक्षिप्त विवेचन कीजिए।

(ii) काव्यप्रकाशोक्त उत्तम काव्य का लक्षण एवं उदाहरण दीजिए।

(iii) अभिधा शक्ति का वर्णन कीजिए।

(iv) श्री शंकुक अभिमत रस स्वरूप की व्याख्या कीजिए।

(v) सोदाहरण शृङ्गार रस का वर्णन कीजिए। 4×5=20 (6×5=30)

भाग-ख

2. निम्नांकित कारिका की व्याख्या कीजिए–

(i) "तददोषौ शब्दार्थौ सगुणावनलङ्कृती पुनः क्वापि॥"

अथवा

(ii) स्वसिद्धये पराक्षेपः परार्थं स्वसमर्पणम्।
उपादानं लक्षणं चेत्युक्ता शुद्धैव सा द्विधा॥ 10×1=10 (15×1=15)

भाग-ग

3. निम्नांकित प्रश्न का उत्तर विस्तारपूर्वक लिखिए–

(i) 'नियतिकृत नियमरहितां' इस कारिका की विशद व्याख्या करते हुए मम्मट निरूपित काव्य प्रयोजनों की समीक्षा कीजिए।

अथवा

(ii) लक्षणा शब्द शक्ति का लक्षण देकर उसके भेद-प्रभेदों की विवेचना कीजिए। 10×1=10 (15×1=15)

भाग-घ

4. निम्नांकित प्रश्न का उत्तर विस्तारपूर्वक लिखिए–

(i) आचार्य मम्मट मतानुसार काव्य भेदों का वर्णन कीजिए।

अथवा

(ii) व्यञ्जना वृत्ति का अर्थ स्पष्ट करते हुए अभिधामूला व्यञ्जना का निरूपण कीजिए। 10×1=10 (15×1=15)

भाग-ङ

5. निम्नांकित प्रश्न का उत्तर विस्तारपूर्वक लिखिए—

(i) काव्यप्रकाश अनुसार रस शब्द की परिभाषा देते हुए शृङ्गार और करुण रस की विस्तृत विवेचना कीजिए।

अथवा

(ii) रसोत्पत्तिवाद से सम्बन्धित विभिन्न मतों की समीक्षा कीजिए। 10×1=10 (15×1=15)

Roll No. .....

Total No. of Questions : **5]** [Total No. of Printed Pages : **4**

(2032)

UG (CBCS) IIIrd Year (Annual) Examination

3374

B.A. SANSKRIT

(Bhasha Vigyan Ke Moolbhoot Siddhant)

(GE-2)

Paper : SKT-GE-304

Time : 3 Hours] **[Maximum Marks : { 70 for Regular / 100 for ICDEOL**

नोट :– सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। यथानिर्दिष्ट प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

भाग-क

1. (क) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में दीजिए :

(i) 'भाषा' शब्द किस धातु से बना है ?

(ii) भाषा की सबसे छोटी इकाई क्या है ?

(iii) प्रयत्न कितने प्रकार का होता है ?

(iv) 'क्' का उच्चारण स्थान क्या है ?

(v) वाक्य के अनिवार्य तत्व कितने हैं ?

(vi) ध्वनि विज्ञान की कितनी शाखाएँ हैं ?

(vii) स्वनिम के कितने भेद हैं ?

(viii) भाषा की प्रमुख विशेषता क्या है ?

(ix) वाक्य कितने प्रकार का होता है ?

(x) 'भ्' अल्पप्राण ध्वनि है या महाप्राण ध्वनि। $1\times10=10$

(ख) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में लिखिए–

(i) भाषा और वाक् का वर्णन कीजिए।

(ii) भाषा की कोई **तीन** विशेषताएँ लिखिए।

(iii) स्वर और व्यंजन का संक्षेप में वर्णन कीजिए।

(iv) भाषा विज्ञान और भाषाशास्त्र का वर्णन कीजिए।

(v) स्वनिम की परिभाषा देते हुए उसकी कोई **दो** विशेषताएँ लिखिए। $4\times5=20$ $(6\times5=30)$

भाग-ख

2. निम्नलिखित प्रश्नों में से **एक** प्रश्न का उत्तर दीजिए :

(क) भाषाओं के वर्गीकरण का वर्णन कीजिए।

अथवा

(ख) अर्थ-परिवर्तन के कारणों का वर्णन कीजिए। $10\times1=10$ $(15\times1=15)$

भाग-ग

3. निम्नलिखित **दो** प्रश्नों में से **एक** प्रश्न का उत्तर दीजिए :

(क) ध्वनि-परिवर्तन के कारणों का वर्णन कीजिए।

अथवा

(ख) वाक्य की परिभाषा देते हुए वाक्य के आवश्यक तत्वों का वर्णन कीजिए। $10\times1=10$ $(15\times1=15)$

भाग-घ

4. निम्नलिखित **दो** प्रश्नों में से किसी **एक** प्रश्न का विस्तृत वर्णन कीजिए :

(क) भाषा की परिभाषा देते हुए भाषा के अनेक रूपों का वर्णन कीजिए।

अथवा

(ख) स्वनिम की परिभाषा देते हुए उसकी विशेषताओं का वर्णन कीजिए। $10\times1=10$ $(15\times1=15)$

भाग-ङ

5. निम्नलिखित दो प्रश्नों में से किसी **एक** प्रश्न का विस्तारपूर्वक वर्णन कीजिए :

(क) मूल भारोपीय भाषाओं की विशेषताओं का वर्णन कीजिए।

अथवा

(ख) रूपिम और रूपग्राम का विस्तृत वर्णन कीजिए। $10\times1=10$ $(15\times1=15)$

Roll No. .....

Total No. of Questions : 5] [Total No. of Printed Pages : 3

(2033)

UG (CBCS) IIIrd Year Annual Examination

3457

B.A. SANSKRIT

(Patanjal Yogsutra)

(GE-1)

Paper : SKT-GE-303

Time : 3 Hours] **[Maximum Marks : 70**

भाग-क

1. (अ) अधोलिखित प्रश्नों को हल कीजिए–

(i) योगसूत्र का अपर नाम क्या है ?

(ii) ..... चित्तवृत्ति निरोधः।

(iii) क्लेश कितने प्रकार के हैं ?

(iv) योगसूत्र का आदिगुरु किसे कहा गया है ?

(v) नियम कितने प्रकार के हैं ?

(vi) योगसूत्रानुसार प्रमाण तीन हैं। (सत्य/असत्य)

(vii) श्वास प्रश्वासयोर्गतिविच्छेदः प्राणायामः।

(सत्य/असत्य)

(viii) अहिंसासत्यास्तेयब्रह्मचर्यपरिग्रहाः .....।

(ix) 'कैवल्य पाद' योगसूत्र का विभाग नहीं है।

(सत्य/असत्य)

(x) योगसूत्र के प्रवर्तक महर्षि कणाद हैं।

(सत्य/असत्य)

1×10=10

(ब) सभी प्रश्नों को हल कीजिए–

(i) अविद्या किसे कहते हैं ?

(ii) नियम कितने हैं, लिखिये।

(iii) गुणों के पर्व-विभाग कितने हैं ? लिखिये।

(iv) समाधि कितने प्रकार की है ? लिखिये।

(v) मैत्र्यादिषु बलानि .....। स्पष्ट कीजिए।

4×5=20

भाग-ख

2. निम्नलिखित में से कोई **दो** प्रश्न हल कीजिए–

(i) ध्यान किसे कहते हैं ?

(ii) 'आसन' को स्पष्ट कीजिए।

(iii) अविद्या को स्पष्ट कीजिए।

5×2=10

भाग-ग

3. अधोलिखित प्रश्नों में से कोई **दो** प्रश्न हल कीजिए–

(i) योग के **आठ** अंङ्ग कौन-कौनसे हैं ?

(ii) प्रत्याहार पर टिप्पणी लिखिए।

(iii) योगसूत्रानुसार प्रमाणों पर टिप्पणी लिखिए। 5×2=10

भाग-घ

4. निम्नलिखित में से कोई **दो** प्रश्न हल कीजिए–

(i) 'अथ योगानुशासनम्' स्पष्ट कीजिए।

(ii) 'तत्र स्थितौयत्नोऽभ्यासः' व्याख्या कीजिए।

(iii) वैराग्य को परिभाषित कीजिए। 5×2=10

भाग-ङ

5. योगसूत्र पर एक विस्तृत निबन्ध लिखिए।

अथवा

अष्ट सिद्धियों पर एक विस्तृत निबन्ध लिखिए। 10×1=10

Roll No. ....

Total No. of Questions : 5] [Total No. of Printed Pages : 4

(2093)

UG (CBCS) Ist Year (Suppl.) Examination

2062

B.A. SANSKRIT

(Niti Sahitya)

(Core)

Paper : SKT-DSC-103

Time : 3 Hours] [Maximum Marks : 70

नोट :– सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

खण्ड–क

1. (अ) अधोलिखितानां प्रश्नानां एकपदेन उत्तरं लिखत–

(i) पण्डित विष्णुशर्मणा कति मासेषु राजपुत्राः नीतिनिपुणाः कृताः ?

(ii) स्वप्ने आगतः क्षपणक कः आसीत् ?

(iii) विद्याया अपेक्षया का उत्तमा ?

खण्ड-ख

2. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पद्यों का सरलार्थ कीजिए–

(क) जयन्ति ते जिना येषां केवलज्ञानशालिनाम्।
आजन्मन: स्मरोत्पत्तौ मानसेनोषरायितम्॥

(ख) वर्जयेत् कौलिकाकारं मित्रम प्राज्ञतरो नर:।
आत्मन: संसुखं नित्यं य आकर्षति लोलुप:॥

(ग) कृमिकुलचितं लालाक्लिन्नं विगन्धि जुगुप्सितं
निरूपमरसप्रीत्या खादन्नरास्थि निरामिषम्।
सुरपतिमपि श्वा पार्श्वस्थं विलोक्य विशङ्कते।
न ही गणयति क्षुद्रो जन्तु: परिग्रहफल्गुताम्॥

(घ) वरं पर्वतदुर्गेषु भ्रान्तं वनचरै: सह।
न मूर्खजनसम्पर्क: सरेन्द्रभवनेष्वपि। 2×5=10

खण्ड-ग

3. किन्हीं **दो** सूक्तियों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

(क) ज्ञानलवदुर्विदग्धं ब्रह्मापि नरं न रञ्जयति।

(ख) विवेकभ्रष्टानां भवति विनिपात: शतमुख:।

(ग) सर्वस्यौषधमस्ति शास्त्रविहीतं मूर्खस्य नास्त्यौषधम। 2×5=10